Roll No. ..... Total Pages : 4

LMDQ/D-23 **10853**

तुलसीदास

Paper–MAH-305

Opt. (IV)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दिए गए पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) राम बिरह सागर महं भरत भगन मन होत।
बिप्र रूप धरि पवनसुत आइ गयउ जनु पोत।।
बैठे देखि कुसासन जटा मुकुट कृस गात।
राम राम रघुपति जपत स्रवत नयन जलजात।

(ख) रहा एक दिन अवधि कर अति आरत पुर लोग।
जहं तहं सोचहिं नारि नर कृस तन मन बियोग।।
सगुन होहिं सुंदर सकल मन प्रसन्न सब केर।
प्रभु आगवन जनाव जगु नगर रम्य चहुं फेर।

(ग) राम प्रान प्रिय नाथ तुम्ह सत्य बचन मम तात।
पुनि पुनि मिलत भरत हरष न हृदयं समात।।
भरत चरन सिरु नाइ तुरित गयउ कपि पहिं।
कहि कुसल सब जाइ हरषि चलेउ प्रभु जान चढ़ि।।

(घ) सुनि प्रभु बचन मगन सब भए।

को हम कहां बिसिर तन गए।।

एक टक रहे जोरि कर आगे।

सकहिं न कछु कह अति अनुरागे।। (8×2=16)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए। (लगभग 200 शब्दों में) :

(क) तुलसी साहित्य में चित्रित लोक जीवन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसी साहित्य में अभिव्यक्त युग-चेतना की समीक्षा कीजिए।

(ख) रामकाव्य परम्परा की वैचारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कीजिए।

अथवा

तुलसीदास का परवर्ती हिन्दी साहित्य पर प्रभाव का वर्णन कीजिए।

(ग) अस्मितामूलक विमर्शों की दृष्टि से तुलसी साहित्य का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल की भावना के दर्शन होते हैं'। विवेचन कीजिए। (12×3=36)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए। (लगभग 200 शब्दों में) :

(क) रामचरित मानस की प्रबन्ध-कला।

(ख) कवितावली का काव्य-सौष्ठव।

(ग) विनय पत्रिका में अध्यात्म।

(घ) हनुमानबाहुक में काल की करालता।

(ङ) भक्तमाल का महात्म्य।

(च) रामललानछहू में राम का स्वरूप।

(छ) रामचंद्रिका की संवाद-योजना। (5×4=20)

4. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) तुलसीदास ने 'बरवै रामायण' की रचना किसके कहने पर की?

(ख) तुलसीदास कृत 'गीतावली' में किसकी महिमा का गुणगान है?

(ग) तुलसीदास कृत 'रामललानहछू' में किस छन्द का प्रयोग हुआ है?

(घ) तुलसीदास ने किस रचना में शिव के विवाह का वर्णन किया है?

(ङ) तुलसीदास विनय पत्रिका को किन के हाथों राम दरबार में भेंट कराते हैं?

(च) कलियुग का वर्णन 'रामचरितमानस' के कौन-से काण्ड में किया है?

(छ) 'लाज न लागत आपको दौरे आहु साथ' उक्ति किसकी है?

(ज) 'खेती न किसान को, भिखारी को न भीख बलि' उक्ति किस रचना से है? (1×8=8)